दीपोत्सव के बाद भी प्रज्ज्वलित रखें उम्मीद और सरोकारों के दीप



दीपावली का पावन पर्व अपनी तमाम भव्यता और उल्लास के साथ भले ही संपन्न हो गया हो, लेकिन अपने पीछे एक ऐसी अमिट गूंज छोड़ गया है जो हमें सालभर के लिए ऊर्जावान बना सकती है। पर्व के विदा होने पर एक बहुत ही सुंदर संदेश इन दिनों सोशल मीडिया और संवाद माध्यमों के जरिए लगातार तैर रहा है कि - बीत गई दिवाली और कह गई कि... दीपावली के बाद भी चंद दीपक जला कर रखना। यह संदेश केवल उत्सव के समापन का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह इस बात का गहरा अहसास कराता है कि रोशनी का असली पर्व तो तब शुरू होता है जब दीये की लौ बुझने के बाद भी उसका उजाला हमारे आचरण और जीवनशैली में उतर आए।

दीपावली केवल मिट्टी के दीयों और आतिशबाजी का त्योहार नहीं है; यह हमारे भीतर की उन तमाम नकारात्मकताओं, अंधेरों और दूरियों को मिटाने का माध्यम है जो वर्षभर के भागदौड़ भरे जीवन में हमारे रिश्तों और समाज में घर कर जाती हैं। त्योहार के दिन तो हर घर जगमगा उठता है, लेकिन असली परीक्षा तब होती है जब दैनिक जीवन की व्यस्तताएं और चुनौतियां फिर से सामने आ खड़ी होती हैं। ऐसे में, यदि हम आने वाले महीनों में जीवन को सकारात्मकता के साथ जीना चाहते हैं, तो उस संदेश में बताए गए ग्यारह दीपों को अपने भीतर निरंतर जलाए रखना होगा।



पहला और सबसे महत्वपूर्ण आस का दीपक है, जो हमें विपरीत से विपरीत परिस्थिति में भी टूटने नहीं देता। इसके साथ ही विश्वास का दीपक हमारे प्रयासों को गति देता है और प्रेम तथा शांति का दीपक समाज में आपसी सौहार्द की नींव मजबूत करता है। आज के इस आपाधापी भरे दौर में एक सहज मुस्कुराहट का दीपक और अपनों के साथ का संबल ही वह औषधि है जो हर मानसिक थकान को दूर कर सकती है।

व्यक्तिगत सफलताओं से परे, जब हम स्वास्थ्य, भाईचारे, बड़ों के आशीर्वाद और छोटों के दुलार के दीपकों को अपनी पारिवारिक व सामाजिक जीवनचर्या का हिस्सा बनाते हैं, तो जीवन अधिक सार्थक और आनंदमय हो जाता है। इन सबके ऊपर, निस्वार्थ सेवा का दीपक वह प्रकाश स्तंभ है जो हमें समाज के प्रति हमारे असल कर्तव्यों की याद दिलाता है। पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों के लंबे अनुभवों के बीच यह बात बार-बार महसूस होती है कि समाज को नियमों और कानूनों से ज्यादा मानवीय संवेदनाओं और एक-दूसरे के प्रति संबल की जरूरत होती है।

त्योहार आते हैं और पंचांग के नियमों के अनुसार अपनी तिथि पूरी कर चले जाते हैं, पर उनका मर्म कभी समाप्त नहीं होना चाहिए। दिवाली के ये ग्यारह दीपक इस बात का प्रतीकात्मक संकल्प हैं कि हम अगले ग्यारह महीनों तक अपनी रूढ़ियों, कटुताओं और उदासीनता के अंधकार को अपने आसपास नहीं फटकने देंगे।

यह कल्पना कितनी सुखद है कि आने वाली 29 अक्टूबर 2027 को जब अगली दीपावली का उल्लास फिर से हमारे द्वार पर दस्तक देगा, तब हम खाली हाथ नहीं होंगे, बल्कि इन ग्यारह महीनों में बांटे गए प्रेम, सहयोग, सेवा और मुस्कुराहट की एक समृद्ध पूंजी लेकर उसका स्वागत करेंगे। तब हम गर्व से कह सकेंगे कि हमने पिछली दिवाली के दीपकों की रोशनी को अपने जीवन के हर एक दिन में जीवित रखा था।

— राजेश निगम, (प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय पत्रकार सुरक्षा परिषद / वरिष्ठ पत्रकार)

निर्वाण लाडू अर्पित भगवान महावीर स्वामी का 2553 वां निर्वाण दिवस मनाया



इन्दौर (इं) भगवान महावीर स्वामी के 2553 वें निर्वाण दिवस के अवसर पर दिगंबर जैन लश्करी मंदिर गौराकुंड पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रातः अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन के बाद निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। कार्यक्रम में वीरेन्द्र बड़जात्या, योगेन्द्र लुहाड़िया, चंद्रप्रकाश गंगवाल, कमल जैन, अनिल जैन, कमल लुहाड़िया, प्रिंस काला, प्रवीण जैन, गौरव जैन, भरत बड़जात्या, राजकुमार जैन, जम्बू शाह, आनन्द जैन, धनकुमार पहाड़िया मौजूद रहे।

2000 से अधिक श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सुना गौतम रास

गुरु दर्शन के लिए उमड़ा जनसैलाब

इंदौर। एयरपोर्ट रोड स्थित श्री केसरी वाटिका में आयोजित द्विशताब्दी गुरुराज स्पर्श चातुर्मासङ्क2026 के अंतर्गत नववर्ष का शुभारंभ धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ हुआ।



गच्छाधिपति पूज्य श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी महाराज साहब के श्रीमुख से गौतम रास का श्रवण करने के लिए 2000 से अधिक श्रद्धालु उपस्थित हुए। गुरुदेव के मंगल आशीर्वाद एवं वासक्षेप प्राप्त करने के लिए सुबह से ही गुरु भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। गुजरात सहित विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर दर्शन-वंदन का लाभ लिया। गच्छाधिपति पूज्य श्रीमद् विजय नित्यसे नसूरीश्वर जी महाराज साहब ने गौतम स्वामी के केवलज्ञान प्राप्ति के प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि भगवान महावीर के निर्वाण के पश्चात गौतम स्वामी अत्यंत व्याकुल हो गए थे। भगवान के वियोग में उनका हृदय विलाप कर उठा, लेकिन अनित्य भावना के गहन चिंतन से उन्होंने आत्मा के स्वतंत्र स्वरूप को पहचाना और उन्हें केवलज्ञान प्रकट हुआ। उन्होंने प्रेरणा दी कि मोह-ममता के बंधनों से ऊपर उठकर आत्मचिंतन करना ही आत्मजागृति का मार्ग है।

परम पूज्य विद्वदरत्न विजयजी म.सा. ने धर्मोपदेश में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति सुख चाहता है, लेकिन वास्तविक सुख बाहरी संपत्ति, पद और प्रतिष्ठा में नहीं, बल्कि आत्मा की जागृति में है। गौतम स्वामी जैसे महान विद्वान ने भी भगवान महावीर की शरण में आकर अपने जीवन को समर्पण और सरलता से परिवर्तित किया। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष गौतम रास सुनना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके भावों को अपने जीवन में उतारना आवश्यक है। राग और प्रेम का अंतर समझाते हुए उन्होंने गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा, समर्पण, अनुमोदना और आत्मचिंतन को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी।

उन्होंने गौतम स्वामी की अष्टापद यात्रा, तापसों को खीर परोसने के प्रसंग तथा उनकी लब्धियों और ऋद्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु की आज्ञा, आशीर्वाद और दृढ़ श्रद्धा से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। दूसरों के अच्छे कार्यों की अनुमोदना करना भी धर्म का महत्वपूर्ण अंग है। मीडिया समन्वयक राजेश जैन युवा ने बताया कि नववर्ष के पावन अवसर पर प्रातः 5 बजे मंदिर के द्वारोद्घाटन के पश्चात गौतम स्वामी की आरती की गई, जिसके लाभार्थी शांतिलालजी, गजेंद्रकुमारजी एवं अनिलकुमारजी सकलेचा रहे। इसके पश्चात चैत्यवंदन हुआ।

भगवान को निर्वाण लाडू चढ़ाया गया, जिसके लाभार्थी प्रभातजी एवं कुलदीपजी घंटाघर वाले रहे। गौतम स्वामी के निर्वाण लाडू के लाभार्थी विजयजी एवं जयेशजी पीपाड़ा रहे। दादा गुरुदेव विजय राजेंद्रसूरीश्वरजी म.सा. के निर्वाण लाडू का लाभ पारसमलजी एवं तेजकुमारजी बम्बोरिया ने लिया। पुण्य सम्राट के निर्वाण लाडू के लाभार्थी बाबूलालजी एवं केशरीमलजी जैन मामा रहे।

क्षीरसागर के दीपावली विशेषांक का विमोचन

इन्दौर। विश्वप्रसिद्ध श्री खजराना गणेश मंदिर के प्रमुख पुजारी श्रद्धेय पं. श्री अशोक भट्ट जी ने यथार्थ क्रिएशंस द्वारा प्रकाशित एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी द्वारा प्रथम विमोचित श्रीसागर राष्ट्रीय पत्रिका के दीपावली विशेषांक-2026 का विमोचन मंदिर प्रांगण में स्थित श्री महालक्ष्मी मंदिर पर किया।



यह महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए क्षीरसागर की प्रबंध सम्पादक डॉ.श्रीमती सपना ओझा ने बताया कि इस अवसर पर पवित्र आश्रम विश्व कल्याण अनुष्ठान केन्द्र के प्रणेता एवं क्षीरसागर के प्रधान सम्पादक गुरुदेव डॉ.भरत कुमार ओझा "भानु" ने श्रद्धेय पं.अशोक भट्ट जी का आत्मीय अभिनंदन करते हुए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

बहाई समुदाय द्वारा युगल अवतार जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

इंदौर। इंदौर के बहाई समुदाय द्वारा बहाई हाउस में बाब और बहाउल्लाह के जन्मदिवसों अर्थात जुड़वाँ पवित्र जन्मोत्सव का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक पृष्ठभूमियों के 150 से अधिक लोग एकत्र हुए और प्रेम, मित्रता तथा एकता के वातावरण में उत्सव मनाया।



मुख्य अतिथि दिव्य कौशल ने अपने संबोधन में युगल पवित्र जन्मोत्सव के आध्यात्मिक महत्व तथा बाब और बहाउल्लाह की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बहाई धर्म के मूल सिद्धांत मानव जाति की एकता को रेखांकित करते हुए कहा कि जाति, धर्म, राष्ट्रीयता और सामाजिक पृष्ठभूमि से परे संपूर्ण मानवता एक परिवार है।

कार्यक्रम में मोहल्ले के बच्चों और युवाओं ने नृत्य एवं लघु नाटिकाओं सहित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए मनोरंजक खेलों का आयोजन भी किया गया, जिससे पूरे वातावरण में उल्लास और आत्मीयता का संचार हुआ।

अंत में विशेष प्रीतिभोज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने साथ बैठकर भोजन किया और आपसी मेलजोल का आनंद लिया। यह आयोजन इस भावना का सुंदर उदाहरण बना कि विविधता हमारी शक्ति है और प्रेम, मित्रता एवं आपसी समझ के माध्यम से समाज में एकता और सौहार्द को सुदृढ़ किया जा सकता है।

युगल पवित्र जन्मोत्सव के बारे में- बहाई धर्म में इसके दो केंद्रीय व्यक्तित्वों, बाब और बहाउल्लाह के जन्मदिवसों को जुड़वाँ पवित्र जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। बाब का जन्म 20 अक्टूबर 1819 को हुआ था। वे बहाई धर्म के अग्रदूत थे। बहाउल्लाह का जन्म 12 नवंबर 1817 को हुआ था और वे बहाई धर्म के संस्थापक हैं।

विद्यार्थियों ने कॉलेज असाइनमेंट को दिया बिजनेस का रूप

लॉन्च किया आयुर्वेदिक ब्रांड 'नुस्खा'

इंदौर। बदलते दौर में जहां स्किनकेयर के लिए बाजार में कई तरह के उत्पाद उपलब्ध हैं, वहीं भारतीय पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान और प्राकृतिक देखभाल के तरीकों को आधुनिक जीवनशैली से जोड़ने की पहल भी युवाओं द्वारा की जा रही है।



इसी सोच के साथ शुरू हुआ है प्रीमियम आयुर्वेदिक स्किनकेयर ब्रांड 'नुस्खा', जिसकी स्थापना 10 सितंबर 2026 को अवधेश मोटसरा और क्रिश सोनी ने की।

नुस्खा की शुरुआत एक व्यावसायिक विचार के रूप में नहीं, बल्कि DAVV के IIPS संस्थान में MBA की पढ़ाई के दौरान मिले एक कॉलेज असाइनमेंट से हुई थी। इस प्रोजेक्ट को लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया और सराहना मिली। इसी प्रोत्साहन ने दोनों युवाओं को अपने विचार को वास्तविक व्यवसाय में बदलने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता, उपयोगिता और ब्रांड की पहचान पर काम करते हुए नुस्खा को एक प्रीमियम आयुर्वेदिक स्किनकेयर ब्रांड के रूप में विकसित किया। ब्रांड की मूल सोच भारतीय परंपराओं में मौजूद आयुर्वेदिक ज्ञान और घरेलू नुस्खों को आज की पीढ़ी तक आधुनिक एवं सुविधाजनक स्वरूप में पहुंचाना है। नुस्खा का उद्देश्य प्राकृतिक सामग्रियों से प्रेरित स्किनकेयर विकल्पों को बढ़ावा देना और त्वचा की देखभाल को अधिक सरल एवं सुलभ बनाना है।

कासट परिवार के अन्नकूट महोत्सव में उमड़े सैकड़ों श्रद्धालु

इंदौर । दीपावली के दूसरे दिन इंदौर के उषानगर एक्सटेंशन में आस्था, परंपरा और पारिवारिक आत्मीयता का अनूठा संगम देखने को मिला। यहां सीए राधेश्याम कासट के निवास पर पिछले 40 वर्षों से अनूठे अन्नकूट एवं दीपावली मिलन महोत्सव की परंपरा निभाई जा रही है।



40 वर्षों से अनूठे अन्नकूट एवं दीपावली मिलन महोत्सव की परंपरा निभाई जा रही

खास बात यह है कि महज 4-5 लोगों से शुरू हुई यह परंपरा आज सैकड़ों लोगों की सहभागिता वाला उत्सव बन चुकी है। बिना औपचारिक निमंत्रण के ही मित्र, परिजन और श्रद्धालु ठाकुरजी के दर्शन एवं अन्नकूट प्रसादी का लाभ लेने पहुंचते हैं। मेवाड़ के आराध्य राजाधिराज श्री चारभुजानाथ की परंपरा से प्रेरित इस आयोजन में चातुर्मास समापन के बाद दीपावली के दूसरे दिन भगवान को विविध सब्जियों और पकवानों का भोग लगाने की विशेष परंपरा है। श्रीमती शकुंतला कासट पिछले चार दशकों से मालवा की धरती पर इस परंपरा का निरंतर निर्वहन कर रही हैं। अब उनके पुत्र सीए विनय एवं सीए विवेक तथा पुत्रवधुएं सीमा और पूर्णिमा भी पूरे समर्पण के साथ इस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। इस वर्ष अन्नकूट में 52 प्रकार की ताजी सब्जियों सहित चावल, चवला, कढ़ी और रोटी मिलाकर 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग ठाकुरजी को अर्पित किया गया। दोपहर 12-30 बजे हुई आरती में अनेक समाट हरिकिशन साबू, भोपूजी, चिकित्सक डॉक्टर विष्णु मंत्री, डॉक्टर हेमलता माहेश्वरी, विक्की साबू, प्रेरणा साबू और राजेंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन शामिल हुए।

फेल ट्रांसफार्मर परिवहन को लेकर भी सैंकड़ों किसानों की मदद

इंदौर । मप्र शासन के निर्देशानुसार पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सिंचाई कार्य में लगे ट्रांसफार्मर के फेल होने पर उसके बिजली कार्यालय, भंडार गृह या ट्रांसफार्मर की लोकल रिपेयरिंग यूनिट (एलआरयू) तक लाने के लिए भी परिवहन राशि व अन्य राशि का भुगतान किया जा रहा है। इस सीजन में 542 किसानों को 5.13 लाख रूपए से अधिक की राशि का भुगतान किया गया है। योजना के तहत किसानों द्वारा अपने वाहन से खराब, बंद ट्रांसफार्मर के परिवहन पर 25 किमी तक 400 रूपए, 26 से 50 किमी तक 800 रूपए, अधिक दूरी तक परिवहन पर 800 रूपए एवं प्रति अतिरिक्त किमी आठ रूपए की परिवहन राशि एवं 200 रूपए अनुरक्षण व्यय प्रदान किया जा रहा है। यह राशि किसान के बैंक खाते में प्रदान की जाती है। इस योजना का उद्देश्य किसानों के सिंचाई कार्य के ट्रांसफार्मर को जल्दी सुधारना का प्रयास एवं किसानों की मदद है।

सांई प्रचार मिशन का 11 नवम्बर को शिक्षा दिवस के रूप में मनाएगा

इन्दौर। सांई प्रचार मिशन, सुरेश सेठ विचार मंच दैनिक शिक्षा नायक परिवार द्वारा 11 नवम्बर को भारत के पहले शिक्षा मंत्री श्री अब्दुल कलामजी की जयंती शिक्षा दिवस के रूप में विविध कार्यक्रमों के साथ मनाई जाएगी।

इसी दिन बाणेश्वरी युवा परिषद के अध्यक्ष युवा नेता श्री यश शुक्ला जी का जन्मदिवस भी शिक्षा सेवा दिवस के रूप में विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों के साथ शहर में मनेगा।

विभिन्न देवस्थानों, मंदिरों, गुरुद्वारों पर राम नाम लेखन पुस्तकों, सांई बावनी, हनुमान चालीसा और धार्मिक पुस्तकों का निःशुल्क वितरण होगा। 11 नवम्बर 1994 को जन्मे यश शुक्ला के 32वें जन्म दिवस पर 32 स्थानों पर विभिन्न विचारदान के कार्यक्रम सांई भक्त, डॉ. कमल साबू, पत्रकार बाबू भाई पंवार, साहित्यकार श्री नयन राठी, शिक्षा नायक के सम्पादक श्री करण मेनारिया, इन्दौर समाचार के वरिष्ठ पत्रकार श्री हीरालाल प्रेमी, युवा नेता राजेन्द्र भावसार एवं महिला नेता श्रीमती गीता सोनी के नैतृत्व में होंगे। यह जानकारी साहित्यकार श्री नयन राठी प्रचार सचिव सुरेश सेठ विचार मंच ने दी है।

आत्मदर्शन ने भव्यता के साथ संपन्न किया गॉस्पल सिंगर रियलिटी शो

इंदौर, गॉस्पल सिंगर रियलिटी शो का ग्रैंड फिनाले बड़े वैभव और भव्यता के साथ प्रेरणा सदन, आत्मदर्शन कैंपस, इंदौर में संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों से आए विशिष्ट अतिथियों के साथ-साथ 20 राज्यों से आए उभरते हुए गॉस्पल गायकों ने भाग लिया।

श्री एंजेलो जेराल्ड (भोपाल), नेवल सैमुअल (आष्टा) और सनशाइन (ओडिशा) को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय घोषित किया गया। विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप क्रमशः 1,50,000 रुपये, 1,00,000 रुपये और 75,000 रुपये प्रदान किए गए। सभी फाइनलिस्ट - सुश्री विनीता (नागपुर), सुश्री क्रिस्टीना (मुंबई), सुश्री एंजेल (भोपाल) और सुश्री गोदावरी (छत्तीसगढ़) को 25,000 रुपये प्रत्येक से पुरस्कृत किया गया।



इस कार्यक्रम की शोभा प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने बढ़ाई, जिनमें शामिल थे- मुख्य न्यायाधीश, देपालपुर हिदायतुल्ला खान, बिशप थॉमस मैथ्यू, बिशप एवं संरक्षक, आत्मदर्शन, बिशप चाको, फादर संचार आयोग, फादर साइमन राज बिजू, सीबीसीआई सामाजिक और देश भर से आए अनेक विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति।



लगभग 350 लोगों ने, जिनमें प्रोविंशियल, फादर, सिस्टर और अन्य विशिष्ट हस्तियाँ शामिल थीं, इस उत्सव में भाग लिया। इस चमकदार रात में, लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किए गए- श्री जोसेफ फ्रांसिस को समाज के लिए उनके अनुकरणीय जीवन और उल्लेखनीय योगदान के लिए और सिस्टर पुष्पांजलि को क्रिश्चियन संगीत में उनकी अमूल्य सेवा के लिए।

अपने प्रेरणादायक संबोधन में, आत्मदर्शन के निदेशक फादर आनंद ने कहा कि जब व्यक्ति ईश्वर की अनूठी योजना को पहचान लेता है, तो जीवन की चुनौतियाँ भी एक दिव्य मार्ग बन जाती हैं। मुख्य न्यायाधीश हिदायतुल्ला खान ने विभिन्न समुदायों के बीच सहयोग और शांति निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया।